

प्रेषक,

अनूप वधावन,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

1. आयुक्त,
ग्राम्य विकास विभाग,
उत्तराखण्ड, पौड़ी।
2. समस्त मुख्य विकास अधिकारी,
उत्तराखण्ड।

ग्राम्य विकास अनुभाग देहरादून दिनांक 18 सितम्बर, 2008
विषय: बिहार राज्य के बाढ़ पीड़ितों के सहायतार्थ अनुदान।
महोदय,

बिहार राज्य में कोसी नदी में आयी अप्रत्याशित बाढ़ से हुई तबाही को दृष्टिगत रखते हुए शासन स्तर पर सम्यक् विचारोपरान्त बिहार के बाढ़ पीड़ित क्षेत्रों में राहत कार्यों हेतु प्रदेश की विधायक निधि से अनुदान के रूप में सहायतार्थ धनराशि प्रदान किये जाने का निर्णय लेते हुए शासनादेश संख्या: 384/व.ग्रा.वि./वि.नि./ दिनांक 07 जून, 2002 द्वारा निर्गत विधायक निधि के मार्गदर्शी सिद्धान्त के प्रस्तर 2.7 के अधीन इस योजना के अन्तर्गत कराये जा सकने वाले कार्यों की दृष्टान्त सूची के परिशिष्ट -1 के प्रस्तर-20 के पश्चात प्रस्तर-21 के रूप में एक बार के लिए निम्नवत की गई व्यवस्था अंकित समझी जाय:-

“ बिहार राज्य में बाढ़ की स्थिति जिसे राष्ट्रीय आपदा घोषित किया गया है, हेतु एक बार (one time) के लिए इस विपत्ति एवं राष्ट्रीय आपदा में राहत कार्यों के प्रयोजनार्थ उत्तराखण्ड राज्य की वर्ष 2008-09 की विधायक निधि से प्रति विधायक अधिकतम रु0 10.00 लाख (रूपये दस लाख मात्र) राहत हेतु “ उत्तराखण्ड राज्य के मुख्यमंत्री राहत कोष “ में जमा की जाय।”

2- मार्गदर्शी सिद्धान्तों में उपरोक्त प्राविधान जोड़ते हुए बिहार बाढ़ पीड़ितों के सहायतार्थ मा0 विधायकों से प्राप्त संस्तुति के आधार पर संबंधित मुख्य विकास अधिकारी के निर्वतन पर रखी गयी धनराशि में से अधिकतम रु0 10.00 लाख (रूपये दस लाख मात्र) प्रति विधायक की दर से प्रश्नगत धनराशि उपायुक्त, कार्यक्रम, ग्राम्य विकास, पौड़ी को हस्तान्तरित किये जाने एवं समेकित रूप से प्रश्नगत धनराशि बिहार बाढ़ पीड़ितों के सहायतार्थ “ उत्तराखण्ड राज्य के मुख्यमंत्री राहत कोष “ में जमा किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।



3- इस संबंध में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2008-09 में समस्त मुख्य विकास अधिकारियों के निवर्तन पर रखी गयी विधायक निधि की धनराशि में से उनके द्वारा संबंधित विधान सभा क्षेत्र के मा0 विधान सभा सदस्यों की संस्तुति प्राप्त होने पर प्रति विधान सभा क्षेत्र अधिकतम रु0 10.00 लाख (रुपये दस लाख मात्र) की धनराशि अविलम्ब उपायुक्त, कार्यक्रम, ग्राम्य विकास, पौड़ी को हस्तान्तरित किया जाना सुनिश्चित करें तथा उपायुक्त, कार्यक्रम प्रश्नगत धनराशि को समेकित रूप से बिहार बाढ़ पीड़ितों के सहायतार्थ "उत्तराखण्ड राज्य के मुख्यमंत्री राहत कोष" में अविलम्ब जमा करना सुनिश्चित करें।

4- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या164(P)/XXVII-4/2008 दिनांक 18 सितम्बर, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अनूप वधावन)
सचिव

संख्या: 933 (1)/XI/08 56(05)03 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनाार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड।
- 2- सचिव, संसदीय कार्य, विधान सभा सचिवालय, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- समस्त मा0 विधान सभा सदस्य, द्वारा संबंधित जिलाधिकारी।
- 4- आयुक्त गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमाऊँ मण्डल, नैनीताल।
- 5- समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 6- समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 7- निदेशक, कोषागार एवं वित्त लेखा, उत्तराखण्ड।
- 8- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री को मा0 मुख्यमंत्री जी के अवलोकनार्थ।
- 9- निजी सचिव, संसदीय कार्य मंत्री, मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी के अवलोकनार्थ।
- 10- निजी सचिव, मा0 मंत्री, मा0 ग्राम्य विकास मंत्री जी के अवलोकनार्थ।
- 11- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
- 12- एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 13- नियोजन विभाग/वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन।
- 14- समाज कल्याण विभाग, नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड शासन।
- 15- गार्ड फाईल

आज्ञा से,

(एन0एस0 नैनी)

अपर सचिव